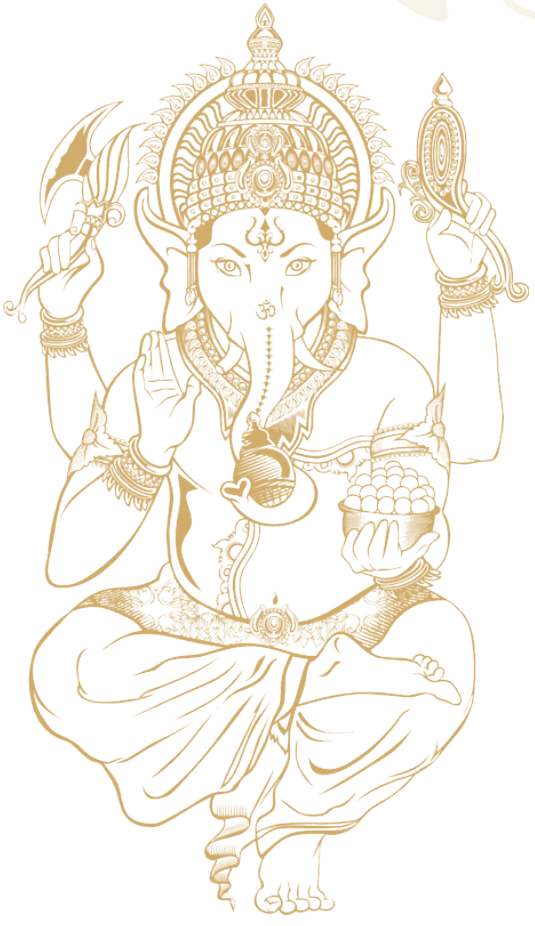

Himansu rajput

27 Mar 2026

10:36 AM

Dibai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121837706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:36:00 घंटे**
इष्ट	10:56:22 घटी
स्थान	**Dibai**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:13:00 उत्तर
रेखांश	78:15:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:19:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:24 घंटे
साम्पातिक काल	22:37:36 घंटे
सूर्योदय	06:13:27 घंटे
सूर्यास्त	18:31:51 घंटे
दिनमान	12:18:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:19:09 मीन
लग्न के अंश	29:06:41 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:06:41	342:03:44	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मीन	12:19:09	00:59:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	00:34:36	13:48:09	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	स्वराशि
मंगल		अ	कुंभ	25:08:36	00:47:02	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	16:06:30	00:32:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:16:38	00:03:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	01:30:54	01:14:03	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	मीन	10:43:32	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु			कुंभ	14:30:07	00:01:33	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:30:07	00:01:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:20:03	00:02:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:47:54	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:54:31	00:01:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	13:29:56	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

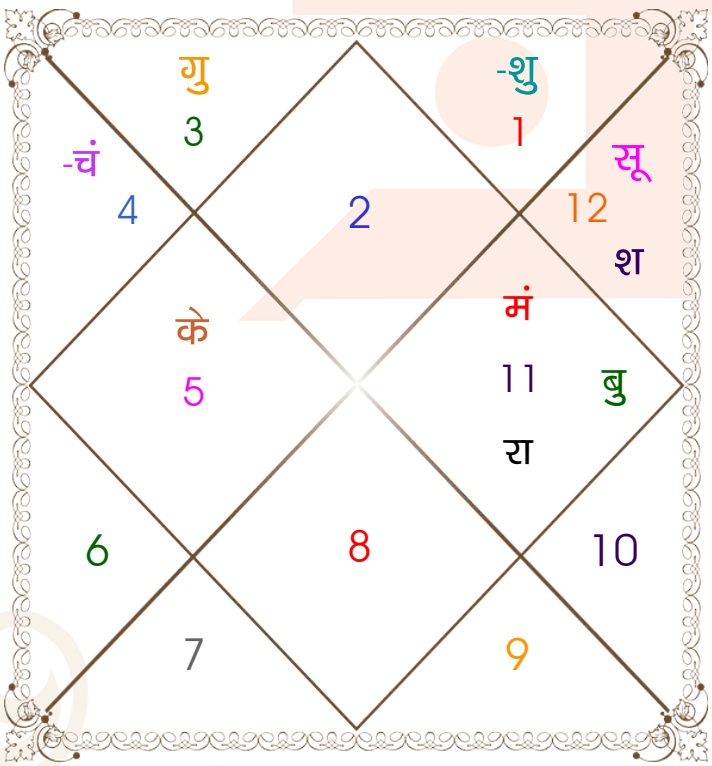

चन्द्र कुंडली

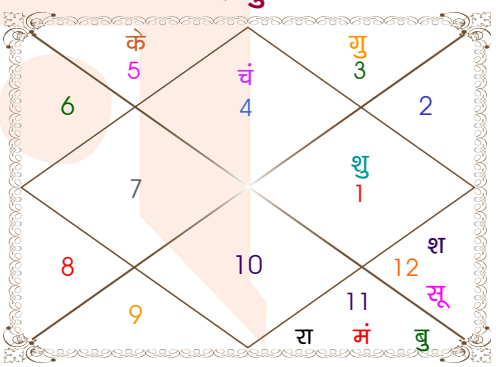

नवमांश कुंडली

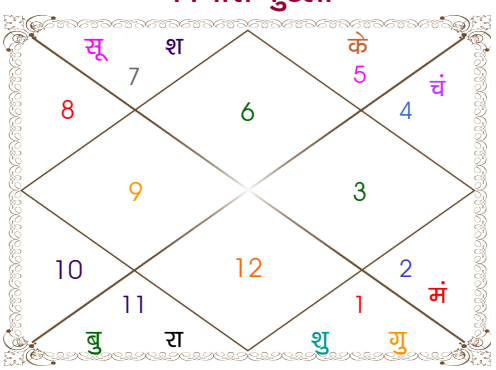

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 3 मास 21 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/03/2026		17/07/2029		17/07/2048		17/07/2065		17/07/2072	
17/07/2029		17/07/2048		17/07/2065		17/07/2072		17/07/2092	
	00/00/0000	शनि	20/07/2032	बुध	14/12/2050	केतु	13/12/2065	शुक्र	16/11/2075
	00/00/0000	बुध	30/03/2035	केतु	11/12/2051	शुक्र	12/02/2067	सूर्य	16/11/2076
	00/00/0000	केतु	08/05/2036	शुक्र	11/10/2054	सूर्य	20/06/2067	चंद्र	17/07/2078
	00/00/0000	शुक्र	09/07/2039	सूर्य	17/08/2055	चंद्र	19/01/2068	मंगल	17/09/2079
	00/00/0000	सूर्य	20/06/2040	चंद्र	16/01/2057	मंगल	17/06/2068	राहु	16/09/2082
	00/00/0000	चंद्र	19/01/2042	मंगल	13/01/2058	राहु	05/07/2069	गुरु	17/05/2085
	27/03/2026	मंगल	28/02/2043	राहु	01/08/2060	गुरु	11/06/2070	शनि	17/07/2088
मंगल	22/02/2027	राहु	04/01/2046	गुरु	07/11/2062	शनि	21/07/2071	बुध	18/05/2091
राहु	17/07/2029	गुरु	17/07/2048	शनि	17/07/2065	बुध	17/07/2072	केतु	17/07/2092

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
17/07/2092		17/07/2098		18/07/2108		19/07/2115		18/07/2133	
17/07/2098		18/07/2108		19/07/2115		18/07/2133		00/00/0000	
सूर्य	04/11/2092	चंद्र	18/05/2099	मंगल	14/12/2108	राहु	31/03/2118	गुरु	05/09/2135
चंद्र	05/05/2093	मंगल	17/12/2099	राहु	02/01/2110	गुरु	23/08/2120	शनि	19/03/2138
मंगल	10/09/2093	राहु	18/06/2101	गुरु	08/12/2110	शनि	30/06/2123	बुध	24/06/2140
राहु	05/08/2094	गुरु	18/10/2102	शनि	17/01/2112	बुध	17/01/2126	केतु	30/05/2141
गुरु	24/05/2095	शनि	18/05/2104	बुध	14/01/2113	केतु	04/02/2127	शुक्र	29/01/2144
शनि	05/05/2096	बुध	18/10/2105	केतु	12/06/2113	शुक्र	04/02/2130	सूर्य	17/11/2144
बुध	11/03/2097	केतु	19/05/2106	शुक्र	12/08/2114	सूर्य	30/12/2130	चंद्र	19/03/2146
केतु	17/07/2097	शुक्र	17/01/2108	सूर्य	18/12/2114	चंद्र	30/06/2132	मंगल	28/03/2146
शुक्र	17/07/2098	सूर्य	18/07/2108	चंद्र	19/07/2115	मंगल	18/07/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।